मध्यप्रदेश

दैनिक भास्कर, भोपाल, गुरुवार 23 मार्च, 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

भोपाल परिसर
संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043
फोन: 0755-2418043, वेबसाईट:www.csu-bhopal.edu.in

प्रवेश सूचना - 276
CUTE-UG 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शास्त्री-शास्त्री प्रतिष्ठ पाठ्यक्रम में ऑनलाईन माध्यम से प्रवेश, परीक्षा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मार्च2023 है। इस लिंक https://cuet.samarth.ac.in/index.php/site/index के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। प्रवेश के संबंध में अधिक जानकारी हेतु परिसर वेबसाईट www.csu-bhopal.edu.in को देखें।

निदेशक

दैनिक भास्कर भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

APPOINTMENT

Central Sanskrit University, Bhopal Campus

Sanskrit Marg,Bagsevaniya, Bhopal, MP. 462043
Phone- 0755-2418043,www.csu-bhopal.edu.in

Recruitment Notice - dated 10.02.2023

Online applications are invited for following positions up to 6 PM of 28th Feb. 2023

Name of the Positions	Number of positions and pay
Assistant Professor (Contract) in Natya Shastra & Nataka.	3 Basic Rs. 57,700 + HRA
Guest faculty (Assistant Professor Grade) 1.Gayana / Vocal in Indian Classical Music, 2.Vadana / Instrumental in Indian Classical Music & 3. Nritya & Abhinaya in Indian Classical Theatre.	3 Rs. 50,000 (fixed)

For detailed notification and online application please visit - https://csu.co.in/ink_eng / csu-bhopal.edu.in

Director

दैनिक भास्कर भोपाल, मंगलवार 11 अप्रैल, 2023 | 7

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

भोपाल परिसर
संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043
फोन: 0755-2418043, वेबसाईट:www.csu-bhopal.edu.in

प्रवेश सूचना सत्र 2023-24

कक्षा	अर्हता	अंतिम दिनांक	प्रवेश परीक्षा
प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष (समकक्षता-11वीं)	10वीं/समकक्ष	10/05/2023	14/05/2023
एम.ए-नाट्यशास्त्र	स्नातक	10/05/2023	14/05/2023
शास्त्री प्रथम वर्ष (समकक्षता-स्नातक प्रथम वर्ष)CUET-UG द्वारा	12वीं/समकक्ष	11/04/2023	NTA द्वारा निर्धारण
शिक्षा शास्त्री (बी.एड),CUET-PG द्वारा	संस्कृत स्नातक/ संस्कृत स्नातकोत्तर	19/04/2023	
शिक्षाचार्य (एम.एड) CUET-PG द्वारा	शिक्षा शास्त्री/बी.एड. एवं संस्कृत स्नातक/ संस्कृत स्नातकोत्तर		
आचार्य प्रथम वर्ष, CUET-PG द्वारा	स्नातक		

NEP 2020 के अनुसार नवीन पाठ्यक्रम एवं चयनित छात्रों को नियमानुसार छात्रावास और छात्रवृत्ति।
अधिक जानकारी हेतु www.csu-bhopal.edu.in देखें।

निदेशक

दैनिक भास्कर भोपाल, सोमवार 20 मार्च, 2023

केंद्रीय संस्कृत विवि में 20 और 21 को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन

भोपाल| केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 20 और 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन होगा। संगोष्ठी का विषय ज्योतिष शास्त्र में आजीविका संबंधी विचार है। सम्मेलन में ग्रन्थकार सुरेशचंद्र मिश्र और अन्य ज्योतिर्विद ज्योतिष के विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत करेंगे। आयोजक भूपेंद्र पाण्डेय ने बताया कि कई शोध पत्रों का वाचन भी किया जाएगा। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआई ऋषि शुक्ला एवं सरस्वत अतिथि प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी वाराणसी रहेंगे। रहेंगे। ज्योतिषी स्मिता पंडित ने बताया कि सम्मेलन से देश-विदेश के कई विद्वान ऑनलाइन भी जुड़ेंगे। शोध पत्र पढ़ने वालों में कई विद्वान ज्योतिषियों के अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी शामिल रहेंगे।

02 पत्रिका patrika.com
भोपाल, मंगलवार, 21 मार्च 2023

ज्योतिष सम्मेलन : अलग-अलग सत्रों में संवाद

ज्योतिष बेहतर मार्गदर्शक, इसमें रोजगार की भी अपार संभावनाएं

भोपाल. बागसेवनिया स्थित केंद्रीय संस्कृत संस्थान में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन संवाद का आयोजन किया। इसमें अनेक स्थानों के ज्योतिष विद्वानों ने ऑनलाइन भाग लिया, साथ ही ज्योतिष विद्या के अनेक शोधार्थियों को इसका महत्व बताया। इस दौरान ज्योतिष के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। विद्वानों का कहना था कि ज्योतिष एक बेहतर मार्गदर्शक है, जो जन्म के समय ही बच्चे की कुंडली के आधार पर बता देता है कि बच्चे के लिए कौन सा क्षेत्र उपयोगी रहेगा। उस दिशा में अभिभावक अपने बच्चों के लिए प्रयास करना चाहिए। ग्रह, नक्षत्र जीवन के हर क्षेत्र में प्रभाव डालते हैं। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व निदेशक ऋषि शुक्ल थे। इसी प्रकार डॉ. प्रमोद वर्धन कुंडयायन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो शत्रुघ्न त्रिपाठी थे। मुख्य अतिथि ऋषि शुक्ल ने ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न पक्षों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ज्योतिषीय गणना मानवीय जीवन के सभी बिंदुओं पर मार्ग निर्देशन करती है । एक ओर वास्तु आधारित भवन निर्माण कला है तो दूसरी ओर जन्मपत्री आधारित भविष्यफल ।

06 पत्रिका patrika.com
भोपाल, बुधवार, 22 मार्च 2023

केंद्रीय संस्कृत संस्थान में सम्मेलन का समापन

ग्रह व नक्षत्रों के अच्छे और बुरे प्रभाव करते हैं जीवन को प्रभावित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. ज्योतिष के माध्यम से हम अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। हमें किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए, क्या हमारे लिए उपयुक्त होगा और क्या अनुपयुक्त यह जानकारी हम ज्योतिष के जरिए प्राप्त कर सकते हैं। जन्म कुंडली में ग्रह, नक्षत्रों के कई अच्छे और बुरे प्रभाव होते हैं, जो हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। ऐसे में ज्योतिष के माध्यम से हम अपने जीवन को सही दिशा देकर अच्छा जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

बागसेवनिया स्थित केंद्रीय संस्कृत संस्थान में आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में यह बात ज्योतिष के विद्वानों ने कहीं। इस दौरान ज्योतिष के महत्व, अनुसंधान सहित अलग-अलग पहलुओं पर मंथन किया गया। इस सम्मेलन में अमेरिका, ब्राजील, जर्मनी और नेपाल के विद्वान भी ऑनलाइन शामिल हुए और उन्होंने भी ज्योतिष को लेकर अपने विचार रखे। विभिन्न ग्रंथों के लेखक सुरेश चंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नक्षत्र किस तरह के प्रभाव डालते हैं। इसी प्रकार प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के योग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुंडली में अगर सूर्य बलवान हो तो प्रशासनिक योग बनते हैं। इसी प्रकार अन्य विद्वानों ने गुरु, बुध सहित अन्य ग्रहों के प्रभावों के बारे में बताया।

City भास्कर
भोपाल, रविवार, 11 दिसंबर 2022 . 26

सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी में राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

व्याकरण शलाका में जहां दंड रखा वहीं से शुरू करना होता है बोलना

सिटी रिपोर्टर। भोपाल

सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी में शनिवार से शुरू हुई राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा में मप्र और छत्तीसगढ़ के संस्कृत संस्थानों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को यहां रोचक व्याकरण शलाका सहित कई प्रतियोगिताएं हुईं। व्याकरण शलाका के तहत छात्रों को पूरा ग्रंथ याद करना होता है। इसके बाद दंड या कलम संबंधित ग्रंथ का कोई भी पन्ना पलटा जाता है, जो पन्ना खुलता है, वहीं से प्रतिभागी को व्याख्या सहित बोलना होता है। विवि के अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान संबंधित छात्र से सवाल भी पूछे जा सकते हैं। दरअसल, राष्ट्रीय स्तर पर मार्च में संस्कृत से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। उसी के तहत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित कर छात्रों का चयन किया जाता है। इसमें विषय भी वही रखे जाते हैं, जो राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में रखे जाएंगे। इसी तरह पुराणेतिहास शलाका प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

पीपुल्स समाचार
भोपाल, गुरुवार, 24 मार्च 2022

संस्कृत में मंचित पांच नाटको में दिखाई वीर योद्धाओं की गाथ

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9582826011

केंद्रीय संस्कृति विवि द्वारा प्रशासन अकादमी में आयोजित संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को पांच नाटकों का मंचन हुआ। इसमें सम्राट अशोक, राणा अमर सिंह, वीर शिवाजी और स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित घटनाओं का विवरण दिया गया। केंद्रीय संस्कृत विवि, सदाशिव परिसर, पुरी और ओडिशा ने अशोक विजय नाटक की प्रस्तुति दी। इसमें भारत वर्ष के महान दर्शन से प्रेरित होकर राजराजेश्वर सम्राट अशोक हिंसा को छोड़ मैत्री भाव से विश्व विजय प्राप्त करने वाला अशोक प्रियदर्शी बन गया। अमर मंगलम नाटक के द्वारा राणा अमर सिंह की निर्भय वीरता मंच पर प्रदर्शित गई। अमर मंगलम नाटक के प्रथम ए से चार अंक केन्द्रीय संस्कृत वि एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रि एवं पांच से आठ अंक केंद्रीय संस्कृ विवि, रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रय और उत्तराखंड ने मंचित कि मातृभूमि चित्तौड़ की रक्षा के लि मेवाड़ पति राणा अमरसिंह ने शत्रु से वीरतापूर्वक लोहा लिया एवं अ समस्त सैनिकों-सेनापतियों में उत्स भर दिया। केंद्रीय संस्कृत विवि, जय परिसर, जयपुर राजस्थान ने भा विवेक का मंचन किया। स्वा विवेकानंद के चरित्र पर आधारित इ नाटक में स्वामी रामकृष्ण परमहंस क शिक्षा से नरेंद्र के स्वामी विवेकान बनने की विकास यात्रा को दिखाया

दैनिक भास्कर | भोपाल, बुधवार 22 मार्च, 2023 | 07

संस्कृत विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन के आखिरी दिन वक्ताओं ने कहा-

जब तक भविष्य है, तब तक ज्योतिष है... पैरेंट्स बच्चे की कुंडली दिखा लें तो वह निश्चित तौर पर तरक्की करेगा

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

ज्योतिष मनुष्य के भविष्य को ज्ञात करने वाली पद्धति है। इसलिए जब तक भविष्य है, तब तक ज्योतिष भी है। ज्योतिषियों से हर कोई भविष्य जानना चाहता है। कौन सा बच्चा किस फील्ड में जा सकता है। यदि पैरेंट्स बच्चे की कुंडली दिखा ले तो निश्चित बच्चा संबंधित फील्ड में तरक्की करेगा। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन के आखिरी दिन दरभंगा से आए प्रो. शिवाकांत झा ने कही। उनका कहना है कि किसी जातक की कुंडली में यदि भावेश स्ट्रॉन्ग हों और नवांश में शुभ ग्रह हो तो उसके उच्च शिक्षा का योग बनता है।

ऑनलाइन भी जुड़े ज्योतिषाचार्य– सम्मेलन में कई देशों के ज्योतिषाचार्य भी ऑनलाइन जुड़े थे। संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने कहा कि काल गणना के इस शास्त्र ने ही विज्ञान को चुनौतियों और शोध के लिए प्रेरित किया है। लेखक सुरेशचंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के प्रभाव का विचार दिया। ब्राजील से राधेश्याम मिश्र ने विश्व में ज्योतिष की प्रतिष्ठा और उसके तरफ सकारात्मक चिंतन के बारे में बताया। सम्मेलन के पहले सत्र में सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआई ऋषि कुमार शुक्ला ने ज्योतिष पर शोध करने वालों को प्रोत्साहित किया।

दो दिन क्लासेस

ओंकार पीठ में निःशुल्क ज्योतिष कक्षाएं आज से

श्री सिद्धि परामर्श केंद्र द्वारा नवसंवत्सर के मौके पर निःशुल्क ज्योतिष कक्षाएं बुधवार शाम से शुरू की जा रही हैं। पंडित डॉ. राजेश मिश्र ने बताया कि संस्थान द्वारा श्री गणेश ज्योतिष संस्थान के साथ संयुक्त रूप से विगत 20 सालों से ज्योतिष कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। यह कक्षाएं 1100 क्वार्टर स्थित शिव-साईं मंदिर के पीछे श्री ओंकार पीठ में हर शनिवार व रविवार को किया जाएगा।

भोपाल, शुक्रवार, 25 मार्च 2022 | 9

city Bhaskar

श्रृंगेरी कैंपस फर्स्ट तो सेकंड रहे भोपाल और जयपुर के नाटक

संस्कृत नाट्य समारोह का समापन, अंतिम दिन रिजल्ट घोषित

सिटी रिपोर्टर। शाहपुरा स्थित प्रशासन अकादमी में चल रहे राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह का गुरुवार को समापन हुआ। केंद्रीय संस्कृत विवि के देशभर के 11 संस्कृत संस्थानों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। अंतिम दिन इसमें रिजल्ट की घोषणा हुई। कर्नाटक के श्रृंगेरी कैंपस को वीर पृथ्वीराज नाटक के लिए पहला, भोपाल को भारतविजयम् और जयपुर को भारतविवेकम् के लिए संयुक्त रूप से दूसरा स्थान मिला।

यह था क्राइटेरिया

- नाट्यशास्त्र के अनुसार भाव-भंगिमा
- नाट्यशास्त्र के सिद्धांत
- मुद्राएं
- उच्चारण
- प्रॉप्स
- कॉस्ट्यूम
- सम्पूर्ण रूप से जुड़ाव

पृथ्वीराज की वीरता को जीवंत किया

अंतिम दिन दो नाटकों की प्रस्तुति हुई। पहले श्रृंगेरी परिसर की ओर से वीर पृथ्वीराज नाटक खेला गया। इसमें पृथ्वीराज की वीरता दिखाई। दूसरे नाटक में भोपाल कैंपस का भारतविजयम् खेला गया। इसमें भारत की अंग्रेजों पर विजय को पेश किया।

Bhopal. Sunday 12/02/2023 07

लंदन में संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया नाटक का मंचन

भोपाल @ पत्रिका. संस्कृत विवि के छात्रों ने नेहरू सेंटर लंदन में संस्कृत नाटक का मंचन किया। नाटक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती व संस्कृति सेंटर फॉर कल्चरल एक्सीलेंस लंदन, स्कूल ऑफ फिलोसफी एंड इकॉनोमिक्स, साइंस डबलिन आयरलैण्ड के संयुक्त तत्वाधान से हुआ। ये प्रसिद्ध कवि बोधायन द्वारा लिखा भगवदज्जुकम् नाटक था। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने बताया कि यह नाटक छठवीं शताब्दी में रचा गया है। वर्तमान में समाज का सही रूप दिखाने में प्रासंगिक है।

नवदुनिया | 3
भोपाल, रविवार 12 फरवरी, 2023

उपलब्धि

भोपाल के छात्रों ने लंदन में मंचित किया छठवीं सदी का संस्कृत नाटक 'भगवदज्जुकम'

सात समंदर पार नाटक से जीता फिरंगियों का मन

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मंच पर संस्कृत भाषा में संवाद करते कलाकार और दर्शक दीर्घा में बैठकर नाटक का आनंद लेते अंग्रेज। यह नजारा शुक्रवार को लंदन के साउथ ओडली स्ट्रीट स्थित नेहरू सेंटर में देखने को मिला।

मौका था भोपाल के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा संस्कृत प्रहसन (नाटक) 'भगवदज्जुकम' की नाट्य प्रस्तुति का। नाटक का मंचन केंद्रीय संस्कृत विवि, संस्कृत भारती व संस्कृति सेंटर फार कल्चरल एक्सीलेंस, लंदन व स्कूल आफ फिलोस्फी एंड इकानोमिक्स साइंस डबलिन, आयरलैंड के संयुक्त तत्वावधान में कराया जा रहा है।

लंदन में नाटक भगवदज्जुकम की प्रस्तुति देते कलाकार। ● सौ. केंद्रीय संस्कृत विवि

नाटक में यह रहा खास: छठवीं सदी में महाकवि बोधायन द्वारा रचित यह नाटक वर्तमान समय में समाज की स्थिति को दिखाता है। नाटक में महाकवि बोधायन ने गुरु-शिष्य के संबंधों व सनातन धर्म पर चर्चा को आधार बनाते हुए मनोवैज्ञानिक रहस्यों को को उजागर करने का प्रयास किया है। नाटक में बोधायन की दूरदृष्टिता दिखती है। उन्होंने छठवीं सदी में धार्मिक पाखंडता जैसी अनेक सामाजिक व्याधियों पर कटाक्ष करते हुए जीवन के अनेक पक्षों को मार्मिकता के साथ प्रस्तुत किया है।

नाटक की कहानी: यम की गलती से बन जाती है अजब स्थिति

नाटक की कहानी वसंतसेना नामक गणिका और एक सन्यासी के इर्द-गिर्द घूमती है। नाटक में वसंतसेना अपनी सेविका परभृतिका के साथ उद्यान में विहार के लिए जाती है। यहां पर वसंतसेना का प्रेमी रामिलक उससे मिलने आता है। इसी बीच यम के द्वारा भेजा गया दूता वसंतसेना नामक किसी स्त्री के प्राण लेने आता है, लेकिन गलती से यमदूत सर्प बनकर रामिलक से मिलने आई वसंतसेना को डस लेता है और उसे लेकर यमलोक पहुंच जाता है। इसी बीच उद्यान में एक संन्यासी अपने शिष्य के साथ आते हैं। उनका शिष्य वसंतसेना को मृत देखकर दुखी हो जाता है। इस कारण संन्यासी योग से अपना जीव वसंतसेना के शरीर में प्रविष्ट करा देते हैं। वसंतसेना जीवित हो जाती है। उधर, गलत जीव लाने पर यमराज यमदूत को डांटते हैं। यमदूत अपनी गलती सुधारने फिर से वसंतसेना के जीव को वापस पृथ्वी पर छोड़ने आता है, लेकिन वसंतसेना के शरीर को जीवित देख वसंतसेना के जीव को संन्यासी के शरीर में प्रवेश करा देते हैं। इससे रोचक और हास्यपूर्ण स्थिति पैदा हो जाती है। नाटक का निर्देशन संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने किया। नाटक का मंचन डबलिन व आयरलैंड में भी होगा। अगली प्रस्तुति आयरलैंड में 17 फरवरी को होगी। 20 फरवरी को दल भोपाल लौटगा।

भोपाल, बुधवार 22 मार्च, 2023
नवदुनिया

परिचर्चा

संस्कृत विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का समापन

ज्योतिष शास्त्र में पलती है विश्व बंधुत्व की भावना

समग्र संस्कृत साहित्य में ज्योतिष शास्त्र ने पूरे विश्व में यात्रा करते हुए सभी को एक सूत्र में बांध रखा है। सभी भाषाओं के प्राचीन साहित्य में ज्योतिष की झलक दिखाई देती है, काल गणना के आधारभूत इस शास्त्र ने ही विज्ञान को चुनौतियों और शोध के लिए प्रेरित किया है। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडे ने कही। समापन दिवस पर उन्होंने सभी विद्वानों को एक मंच में आकर भोपाल परिसर में एकत्रित होकर कार्य करने के लिए आह्वान किया।

ज्योतिष सम्मेलन में अपने विचार रखते वक्ता। ● सौजन्य- संस्कृत विश्वविद्यालय

सम्मेलन . विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में 20-21 मार्च को आयोजित किया गया। इसके उद्घाटन में मुख्यातिथि सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआइ ऋषि कुमार शुक्ला ने परिसर को नए अनुसंधानों की तरफ प्रेरित देख कर शुभकामनाएं प्रदान कीं। सारस्वतअतिथि .बीएचयू वाराणसी के प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी ने सभी विद्वानों को एक साथ जुड़कर अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। इस सम्मेलन में 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया। अमेरिका, ब्राजील, जर्मनी और नेपाल से 25 प्रतिभागी आए। विभिन्न ग्रंथों के लेखक सुरेश चंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। इसमें नाड़ी विधा के विद्वान उमंग तनेजा, निशा शर्मा ने भी अपना शोध पत्र पढ़ा। प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के प्रभाव का विचार दिया। ब्राजील के राधेश्याम मिश्र ने विश्व में ज्योतिष की प्रतिष्ठा और उसके सकारात्मक चिंतन के बारे में बताया। विभाग के समन्वयक प्रो. हंसधर झा ने सभी को सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डा. अनिल कुमार ने और धन्यवाद रूस से भोपाल परिसर में ज्योतिष सीखने आई छात्रा श्वेतलाना ने किया।

मध्यप्रदेश

दैनिक भास्कर, भोपाल, गुरुवार 23 मार्च, 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

भोपाल परिसर
संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043
फोन: 0755-2418043, वेबसाईट:www.csu-bhopal.edu.in

प्रवेश सूचना - 276

CUTE-UG 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शास्त्री-शास्त्री प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम् में ऑनलाईन माध्यम से प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मार्च2023 है। इस लिंक https://cuet.samarth.ac.in/index.php/site/index के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। प्रवेश के संबंध में अधिक जानकारी हेतु परिसर बेवसाईट www.csu-bhopal.edu.in को देखे।

निदेशक

दैनिक भास्कर
भोपाल, बुधवार 22 मार्च, 2023 | 07

संस्कृत विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन के आखिरी दिन वक्ताओं ने कहा-

जब तक भविष्य है, तब तक ज्योतिष है... पैरेंट्स बच्चे की कुंडली दिखा लें तो वह निश्चित तौर पर तरक्की करेगा

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

ज्योतिष मनुष्य के भविष्य को ज्ञात करने वाली पद्धति है। इसलिए जब तक भविष्य है, तब तक ज्योतिष भी है। ज्योतिषियों से हर कोई भविष्य जानना चाहता है। कौन सा बच्चा किस फील्ड में जा सकता है। यदि पैरेंट्स बच्चे की कुंडली दिखा ले तो निश्चित बच्चा संबंधित फील्ड में तरक्की करेगा। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन के आखिरी दिन दरभंगा से आए प्रो. शिवाकांत झा ने कही। उनका कहना है कि किसी जातक की कुंडली में यदि भावेश स्ट्रॉन्ग हों और नवांश में शुभ ग्रह हो तो उसके उच्च शिक्षा का योग बनता है।

ऑनलाईन भी जुड़े ज्योतिषाचार्य- सम्मेलन में कई देशों के ज्योतिषाचार्य भी ऑनलाइन जुड़े थे। संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने कहा कि काल गणना के इस शास्त्र ने ही विज्ञान को चुनौतियों और शोध के लिए प्रेरित किया है। लेखक सुरेशचंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के प्रभाव का विचार दिया। ब्राजील से राधेश्याम मिश्र ने विश्व में ज्योतिष की प्रतिष्ठा और उसके तरफ सकारात्मक चिंतन के बारे में बताया। सम्मेलन के पहले सत्र में सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआई ऋषि कुमार शुक्ला ने ज्योतिष पर शोध करने वालों को प्रोत्साहित किया।

दो दिन क्लासेस

ओंकार पीठ में निःशुल्क ज्योतिष कक्षाएं आज से

श्री सिद्धि परामर्श केंद्र द्वारा नवसंवत्सर के मौके पर निःशुल्क ज्योतिष कक्षाएं बुधवार शाम से शुरू की जा रही हैं। पंडित डॉ. राजेश मिश्र ने बताया कि संस्थान द्वारा श्री गणेश ज्योतिष संस्थान के साथ संयुक्त रूप से विगत 20 सालों से ज्योतिष कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। यह कक्षाएं 1100 क्वार्टर स्थित शिव-साईं मंदिर के पीछे श्री ओंकार पीठ में हर शनिवार व रविवार को किया जाएगा।

06 पत्रिका patrika.com
भोपाल, बुधवार, 22 मार्च 2023

केंद्रीय संस्कृत संस्थान में सम्मेलन का समापन

ग्रह व नक्षत्रों के अच्छे और बुरे प्रभाव करते हैं जीवन को प्रभावित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. ज्योतिष के माध्यम से हम अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। हमें किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए, क्या हमारे लिए उपयुक्त होगा और क्या अनुपयुक्त यह जानकारी हम ज्योतिष के जरिए प्राप्त कर सकते हैं। जन्म कुंडली में ग्रह, नक्षत्रों के कई अच्छे और बुरे प्रभाव होते हैं, जो हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। ऐसे में ज्योतिष के माध्यम से हम अपने जीवन को सही दिशा देकर अच्छा जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

बागसेवनिया स्थित केंद्रीय संस्कृत संस्थान में आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में यह बात ज्योतिष के विद्वानों ने कहीं। इस दौरान ज्योतिष के महत्व, अनुसंधान सहित अलग-अलग पहलुओं पर मंथन किया गया। इस सम्मेलन में अमेरिका ब्राजील, जर्मनी और नेपाल के विद्वान भी ऑनलाइन शामिल हुए और उन्होंने भी ज्योतिष को लेकर अपने विचार रखे। विभिन्न ग्रंथों के लेखक सुरेश चंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नक्षत्र किस तरह के प्रभाव डालते हैं। इसी प्रकार प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के योग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुंडली में अगर सूर्य बलवान हो तो प्रशासनिक योग बनते हैं। इसी प्रकार अन्य विद्वानों ने गुरु, बुध सहित अन्य ग्रहों के प्रभावों के बारे में बताया।

भोपाल, बुधवार 22 मार्च, 2023

नवदुनिया
सिटी

परिचर्चा

संस्कृत विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का समापन

ज्योतिष शास्त्र में पलती है विश्व बंधुत्व की भावना

समग्र संस्कृत साहित्य में ज्योतिष शास्त्र ने पूरे विश्व में यात्रा करते हुए सभी को एक सूत्र में बांध रखा है। सभी भाषाओं के प्राचीन साहित्य में ज्योतिष की झलक दिखाई देती है, काल गणना के आधारभूत इस शास्त्र ने ही विज्ञान को चुनौतियों और शोध के लिए प्रेरित किया है। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडे ने कही। समापन दिवस पर उन्होंने सभी विद्वानों को एक मंच में आकर भोपाल परिसर में एकत्रित होकर कार्य करने के लिए आह्वान किया।

ज्योतिष सम्मेलन में अपने विचार रखते वक्ता। ● सौजन्य- संस्कृत विश्वविद्यालय

सम्मेलन विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में 20-21 मार्च को आयोजित किया गया। इसके उद्घाटन में मुख्यातिथि सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआइ ऋषि कुमार शुक्ला ने परिसर को नए अनुसंधानों की तरफ प्रेरित देख कर शुभकामनाएं प्रदान कीं। सारस्वतअतिथि बीएचयू वाराणसी के प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी ने सभी विद्वानों को एक साथ जुड़कर अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। इस सम्मेलन में 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया। अमेरिका, ब्राजील, जर्मनी और नेपाल से 25 प्रतिभागी आए। विभिन्न ग्रंथों के लेखक सुरेश चंद्र मिश्र ने आजीविका निर्णय में नक्षत्रों की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में प्रकाश डाला। इसमें नाड़ी विधा के विद्वान उमंग तनेजा, निशा शर्मा ने भी अपना शोध पत्र पढ़ा। प्रशासनिक योगों के विचार में आचार्य गणेश त्रिपाठी ने सूर्य के प्रभाव का विचार दिया। ब्राजील के राधेश्याम मिश्र ने विश्व में ज्योतिष की प्रतिष्ठा और उसके सकारात्मक चिंतन के बारे में बताया। विभाग के समन्वयक प्रो. हंसधर झा ने सभी को सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डा. अनिल कुमार ने और धन्यवाद रूस से भोपाल परिसर में ज्योतिष सीखने आई छात्रा श्वेतलाना ने किया।

दैनिक भास्कर भोपाल, मंगलवार 21 मार्च, 2023

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय ज्योतिष सम्मेलन, वक्ताओं ने कहा-

गर्भ से ही तय हो जाता है शिशु के जीवन का कालखंड उसकी रुचि और व्यवसाय भी पता कर सकते हैं : त्रिपाठी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन की शुरुआत की गई। इसमें कई वरिष्ठ ज्योतिषाचार्यों ने शोध के आधार पर ज्योतिष में आजीविका पर विचार विषय पर जानकारियां दीं। वाराणसी से आए प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी ने कहा कि जातक के गर्भ से ही उसके पूरे जीवन का कालखंड सुनिश्चित हो जाता है। उसको जानने के लिए अन्नप्राशन संस्कार के समय कुछ वस्तुओं को बालक से स्पर्श कराने की परंपरा हमारे समाज में है, जिससे पता चलता है कि बालक की रुचि क्या है और वह आगे किस व्यवसाय में जा सकता है।

ज्योतिषाचार्य पं. हेमचंद्र पाण्डेय की पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

विवि के कुलपति प्रो. श्रीनिवास के संरक्षण में पहले दिन सम्मेलन के मुख्य अतिथि ऋषि कुमार शुक्ल पूर्व निदेशक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो थे। इस मौके पर ज्योतिषाचार्य पं. हेमचंद्र पाण्डेय की पुस्तक जीवन मूल्य और नैतिक शिक्षा और ज्योतिष मित्र पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। ज्योतिषी पांडे ने अपनी ओर से कई पुस्तकें विवि के पुस्तकालय के लिए भेंट कीं। निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने भी विचार रखे।

आज भी विशेष सत्र

39 शोधपत्रों का वाचन

विशेष अतिथि डॉ. प्रमोद वर्धन ने भी उद्बोधन दिया। सत्र की अध्यक्षता विवि के निदेशक प्रोफेसर रमाकांत पाण्डेय ने की। संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. हंसधर झा ने अतिथियों का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विवि के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद वर्धन ने ज्योतिष के नक्षत्रों व होरा के विषय में जानकारी दी। इस मौके पर 39 शोधपत्रों का वाचन हुआ। ज्यतिषी स्मिता पंडित ने बताया कि मंगलवार को भी सम्मेलन होगा।

02 पत्रिका patrika.com
भोपाल, मंगलवार, 21 मार्च 2023

ज्योतिष सम्मेलन : अलग-अलग सत्रों में संवाद

ज्योतिष बेहतर मार्गदर्शक, इसमें रोजगार की भी अपार संभावनाएं

भोपाल. बागसेवनिया स्थित केंद्रीय संस्कृत संस्थान में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन संवाद का आयोजन किया। इसमें अनेक स्थानों के ज्योतिष विद्वानों ने ऑनलाइन भाग लिया, साथ ही ज्योतिष विद्या के अनेक शोधार्थियों को इसका महत्व बताया। इस दौरान ज्योतिष के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। विद्वानों का कहना था कि ज्योतिष एक बेहतर मार्गदर्शक है, जो जन्म के समय ही बच्चे की कुंडली के आधार पर बता देता है कि बच्चे के लिए कौन सा क्षेत्र उपयोगी रहेगा। उस दिशा में अभिभावक अपने बच्चों के लिए प्रयास करना चाहिए। ग्रह, नक्षत्र जीवन के हर क्षेत्र में प्रभाव डालते हैं। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व निदेशक ऋषि शुक्ल थे। इसी प्रकार डॉ. प्रमोद वर्धन कुंडयायन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो शत्रुघ्न त्रिपाठी थे। मुख्य अतिथि ऋषि शुक्ल ने ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न पक्षों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ज्योतिषीय गणना मानवीय जीवन के सभी बिंदुओं पर मार्ग निर्देशन करती है । एक ओर वास्तु आधारित भवन निर्माण कला है तो दूसरी ओर जन्मपत्री आधारित भविष्यफल ।

दैनिक भास्कर भोपाल, सोमवार 20 मार्च, 2023

केंद्रीय संस्कृत विवि में 20 और 21 को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन

भोपाल| केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 20 और 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन होगा। संगोष्ठी का विषय ज्योतिष शास्त्र में आजीविका संबंधी विचार है। सम्मेलन में ग्रन्थकार सुरेशचंद्र मिश्र और अन्य ज्योतिर्विद ज्योतिष के विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत करेंगे। आयोजक भूपेंद्र पाण्डेय ने बताया कि कई शोध पत्रों का वाचन भी किया जाएगा। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त निदेशक सीबीआई ऋषि शुक्ला एवं सरस्वत अतिथि प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी वाराणसी रहेंगे। रहेंगे। ज्योतिषी स्मिता पंडित ने बताया कि सम्मेलन से देश-विदेश के कई विद्वान ऑनलाइन भी जुड़ेंगे। शोध पत्र पढ़ने वालों में कई विद्वान ज्योतिषियों के अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी शामिल रहेंगे।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
भोपाल, गुरुवार 23 फरवरी, 2023 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 4, 2079

यूजी में नए सत्र से लागू होगी नेशनल एजुकेशन पॉलिसी

गीता प्रेस की लघुसिद्धांत कौमुदी पढ़ेंगे बीए थर्ड ईयर के स्टूडेंट्स

भास्कर एक्सक्लूसिव

वर्णोच्चारण प्रक्रिया के वैज्ञानिक आधार को भी समझाएगा कोर्स

राहुल शर्मा | भोपाल

मप्र के उच्च शिक्षा विभाग ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हिसाब से बीए थर्ड ईयर का नया सिलेबस तैयार किया है। इसमें आर्ट्स के स्टूडेंट्स को वेद भी पढ़ाया जाएगा। इसके लिए उन्हें गीताप्रेस गोरखपुर की किताब लेनी होगी। विषय का नाम है- वैदिक निर्वचन शास्त्र एवं व्याकरण। इसे स्पेसिफिक इलेक्टिव सब्जेक्ट के रूप में शामिल किया गया है। इसे पढ़ने से छात्र वेद मंत्रों के सही अर्थ को समझने और समझाने में सक्षम होंगे। इसी के साथ वर्णोच्चारण प्रक्रिया के वैज्ञानिक आधार को भी समझा जा सकेगा। यह 100 अंकों का 6 क्रेडिट का पेपर होगा। इस विषय की पढ़ाई गीताप्रेस गोरखपुर की किताब लघुसिद्धांतकौमुदी से करवाई जाएगी। यही किताब चौखंभा संस्कृत संस्थान वाराणसी भी प्रकाशित करता है। इसमें आंतरिक मूल्यांकन के 30 नंबर और यूनिवर्सिटी की परीक्षा के 70 नंबर रहेंगे। इसके अलावा माइनर विषय वैदिक दर्शन में गीताप्रेस गोरखपुर की किताब कठोपनिषद शामिल की गई है। इस विषय में छात्र वेदों में शामिल दर्शन के तत्व और अध्यात्म के रहस्य को जान सकेंगे।

फाउंडेशन कोर्स में पर्सनालिटी डेवलपमेंट के तीन टॉपिक, इनके भी 5-5 सब टॉपिक

इधर, फाउंडेशन कोर्स में सभी छात्रों के लिए पर्सनालिटी डेवलपमेंट को शामिल किया गया

है। इसमें बेहतर तरीके से इंटरव्यू देने, सेल्फ कॉन्फिडेंस, स्ट्रेस मैनेजमेंट, लीडरशिप, मोटिवेशन, थिंकिंग एंड प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स, मैनेजमेंट ऑफ सोशल मीडिया जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी तरह व्यावहारिक कोर्स है जो छात्रों को रोजमर्रा के जीवन और उनके कॅरियर में काफी उपयोगी साबित होगा। पर्सनालिटी डवलपमेंट को मोटे तौर पर तीन टॉपिक्स में कवर किया गया है। प्रत्येक टॉपिक में पांच-पांच सब टॉपिक हैं।

आल्हा गायन को भी पढ़ेंगे छात्र, बुंदेली कवि ईसुरी की रचनाएं भी पढ़ाई जाएंगी

इसी तरह हिंदी साहित्य में बुंदेली साहित्य के तहत छात्रों को आल्हा के बारे में भी पढ़ाया जाएगा। बुंदेलखंड अंचल में आल्हा गायन बहुत प्रसिद्ध है। देशभर में इसके श्रोता हैं। इसी तरह बुंदेली के प्रमुख कवि ईसुरी की रचनाओं को भी छात्र पढ़ेंगे। इसके अलावा मालवी, निमाड़ी बोली और साहित्य के प्रमुख कवियों की रचनाओं को भी सिलेबस में शामिल किया गया है। हिंदी साहित्य के छात्रों को बुंदेली, बघेली, निमाड़ी और मालवी साहित्य से जुड़े प्रमुख कवियों और साहित्यकारों की रचनाओं को भी सिलेबस में जोड़ा गया है।

Bhopal. Sunday
12/02/2023 07

लंदन में संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया नाटक का मंचन

भोपाल @ पत्रिका. संस्कृत विवि के छात्रों ने नेहरू सेंटर लंदन में संस्कृत नाटक का मंचन किया। नाटक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भारती व संस्कृति सेंटर फॉर कल्चरल एक्सीलेंस लंदन, स्कूल ऑफ फिलोसफी एंड इकॉनोमिक्स, साइंस डबलिन आयरलैण्ड के संयुक्त तत्वाधान से हुआ। ये प्रसिद्ध कवि बोधायन द्वारा लिखा भगवदज्जुकम् नाटक था। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निर्देशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने बताया कि यह नाटक छठवीं शताब्दी में रचा गया है। वर्तमान में समाज का सही रूप दिखाने में प्रासंगिक है।

नवदुनिया | 3
भोपाल, रविवार 12 फरवरी, 2023

उपलब्धि | भोपाल के छात्रों ने लंदन में मंचित किया छठवीं सदी का संस्कृत नाटक 'भगवदज्जुकम'

सात समंदर पार नाटक से जीता फिरंगियों का मन

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मंच पर संस्कृत भाषा में संवाद करते कलाकार और दर्शक दीर्घा में बैठकर नाटक का आनंद लेते अंग्रेज। यह नजारा शुक्रवार को लंदन के साउथ ओडली स्ट्रीट स्थित नेहरू सेंटर में देखने को मिला।

मौका था भोपाल के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा संस्कृत प्रहसन (नाटक) 'भगवदज्जुकम' की नाट्य प्रस्तुति का। नाटक का मंचन केंद्रीय संस्कृत विवि, संस्कृत भारती व संस्कृति सेंटर फार कल्चरल एक्सीलेंस, लंदन व स्कूल आफ फिलोस्फी एंड इकानोमिक्स साइंस डबलिन, आयरलैंड के संयुक्त तत्वावधान में कराया जा रहा है।

लंदन में नाटक भगवदज्जुकम की प्रस्तुति देते कलाकार। ● सौ. केंद्रीय संस्कृत विवि

नाटक में यह रहा खास: छठवीं सदी में महाकवि बोधायन द्वारा रचित यह नाटक वर्तमान समय में समाज की स्थिति को दिखाता है। नाटक में महाकवि बोधायन ने गुरु-शिष्य के संबंधों व सनातन धर्म पर चर्चा को आधार बनाते हुए मनोवैज्ञानिक रहस्यों को को उजागर करने का प्रयास किया है। नाटक में बोधायन की दूरदृष्टिता दिखती है। उन्होंने छठवीं सदी में धार्मिक पाखंडता जैसी अनेक सामाजिक व्याधियों पर कटाक्ष करते हुए जीवन के अनेक पक्षों को मार्मिकता के साथ प्रस्तुत किया है।

नाटक की कहानी : यम की गलती से बन जाती है अजब स्थिति

नाटक की कहानी वसंतसेना नामक गणिका और एक सन्यासी के इर्द-गिर्द घूमती है। नाटक में वसंतसेना अपनी सेविका परभृतिका के साथ उद्यान में विहार के लिए जाती है। यहां पर वसंतसेना का प्रेमी रामिलक उससे मिलने आता है। इसी बीच यम के द्वारा भेजा गया दूता वसंतसेना नामक किसी स्त्री के प्राण लेने आता है, लेकिन गलती से यमदूत सर्प बनकर रामिलक से मिलने आई वसंतसेना को डस लेता है और उसे लेकर यमलोक पहुंच जाता है। इसी बीच उद्यान में एक संन्यासी अपने शिष्य के साथ आते हैं। उनका शिष्य वसंतसेना को मृत देखकर दुखी हो जाता है। इस कारण संन्यासी योग से अपना जीव वसंतसेना के शरीर में प्रविष्ट करा देते हैं। वसंतसेना जीवित हो जाती है। उधर, गलत जीव लाने पर यमराज यमदूत को डांटते हैं। यमदूत अपनी गलती सुधारने फिर से वसंतसेना के जीव को वापस पृथ्वी पर छोड़ने आता है, लेकिन वसंतसेना के शरीर को जीवित देख वसंतसेना के जीव को संन्यासी के शरीर में प्रवेश करा देते हैं। इससे रोचक और हास्यपूर्ण स्थिति पैदा हो जाती है। नाटक का निर्देशन संस्कृत विवि के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने किया। नाटक का मंचन डबलिन व आयरलैंड में भी होगा। अगली प्रस्तुति आयरलैंड में 17 फरवरी को होगी। 20 फरवरी को दल भोपाल लौटगा।

दैनिक भास्कर भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

APPOINTMENT

Central Sanskrit University, Bhopal Campus

Sanskrit Marg,Bagsevaniya, Bhopal, MP, 462043

Phone- 0755-2418043,www.csu-bhopal.edu.in

Recruitment Notice - dated 10.02.2023

Online applications are invited for following positions up to 6 PM of 28th Feb. 2023

Name of the Positions	Number of positions and pay
Assistant Professor (Contract) in Natya Shastra & Nataka.	3 Basic Rs. 57,700 + HRA
Guest faculty (Assistant Professor Grade) **1.**Gayana / Vocal in Indian Classical Music, **2.**Vadana / Instrumental in Indian Classical Music & **3.** Nritya & Abhinaya in Indian Classical Theatre.	3 Rs. 50,000 (fixed)

For detailed notification and online application please visit - **https://csu.co.in/ink_eng/ csu-bhopal.edu.in**

Director

भोपाल, मंगलवार 9 अगस्त, 2022 | 4

City भास्कर

संस्कृत सप्ताह

समाज और मानवता को संस्कृत की जरूरत है

सिटी रिपोर्टर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार से संस्कृत सप्ताह शुरू हुआ। मुख्य अतिथि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष भरत बैराज बैरागी ने कहा कि संस्कृत से भारत को समझा जा सकता है। संस्कृत का अध्ययन हर भारतीय का कर्तव्य है। कार्यक्रम में निदेशक प्रो. रमाकांत पांडे ने कहा कि समाज और मानवता को संस्कृत की जरूरत है। संस्कृत सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिताएं, वेद पाठ, श्रावणी उपाकर्म, विद्वत सम्मान इत्यादि गतिविधियां होती हैं।

पत्रिका

Bhopal. Tuesday 09/08/2022

संस्कृत के माध्यम से भारत को समझा जा सकता है: बैरागी

भोपाल @ पत्रिका. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष भरत बैराज बैरागी ने कहा कि संस्कृत के माध्यम से भारत को समझा जा सकता है। संस्कृत का अध्ययन प्रत्येक भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। यह वह भाषा है जिसके माध्यम से व्यक्तिगत विकास सामाजिक विकास तथा राष्ट्र का विकास संभव है। अतः भारतीयों को संस्कृत का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विवि के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडे ने कहा कि संस्कृत को समाज की आवश्यकता नहीं अपितु समाज और मानवता को संस्कृत की आवश्यकता है। सारस्वत अतिथि प्रो. सुबोध शर्मा ने कहा कि संस्कृत के माध्यम से राष्ट्र अपूर्व गौरव को प्राप्त होगा।

दैनिक भास्कर
भोपाल, मंगलवार 9 अगस्त, 2022
dainikbhaskar.com

केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह शुरू

भोपाल| केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) भरत बैराज बैरागी ने कहा कि संस्कृत के माध्यम से भारत को समझा जा सकता है संस्कृत का अध्ययन प्रत्येक भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। केंद्रीय परिसर भोपाल के निदेशक प्रोफेसर रमाकांत पांडे ने कहा कि समाज एवं मानवता को संस्कृत की आवश्यकता है।

बिज़नेस भास्कर
दैनिक भास्कर, भोपाल, मंगलवार, 06 दिसंबर, 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

भोपाल परिसर
संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043
फोन: 0755-2418043, वेबसाईट:www.csu-bhopal.edu.in

प्रवेश सूचना

अधोलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं :-

पाठ्क्रम का नाम	अवधि	अर्हता	प्रवेश अंतिम तिथि
एम.ए. (नाट्यशास्त्र एवं भारतीय रंगमंच) M.A. (Natyashastra and Indian Theatre)	2 वर्ष	किसी भी विषय में स्नातक/समकक्ष	25 दिसम्बर 2022

ऑनलाईन आवेदन पत्र एवं विस्तृत विवरण हेतु-https://sanskritadm.samarth.edu.in/ देखें।

निदेशक

दैनिक भास्कर, भोपाल, मंगलवार 31 मई, 2022

केंद्रीय संस्कृत विवि में पातंजल योग सूत्र पर व्याख्यान, प्रतियोगिताएं भी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

केंद्रीय संस्कृत विवि परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के अन्तर्गत सोमवार की सुबह योगाभ्यास के साथ शारीरिक शुद्धि क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। इसमें जलनेति, सूत्रनेति भी शामिल रहीं। इसके अलावा योग शास्त्र पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें पातंजल योग सूत्र पर आधारित यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि आदि अष्टांगों पर महर्षि महेश योगी वैदिक विवि भोपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो.निलिम्प त्रिपाठी ने प्रकाश डाला। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता निदेशक प्रो. सुबोध शर्मा ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. हंसधर झा थे। संचालन सहायक आचार्य राकेश वर्मा ने किया। ज्योतिषाचार्य स्मिता पंडित ने बताया कि अतिथियों का स्वागत डॉ. दाताराम पाठक ने किया। आभार अध्यापक डॉ. विवेक सिंह ने माना। आयोजन में छात्र-छात्राओं के लिए योगासनों पर आधारित प्रतियोगिताएं भी की गईं।

पत्रिका plus
Bhopal. Friday 25/03/2022 patrika.com/entertainment 13

Drama संस्कृत नाट्य समारोह का समापन

नाटक 'वीर पृथ्वीराज नाटकम' में दिखी अमर प्रेम कहानी

भोपाल. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से प्रशासन अकादमी में आयोजित संस्कृत नाट्य समारोह का समापन हुआ। राजीव गांधी परिसर कर्नाटक ने नाटक 'वीर पृथ्वीराज नाटकम' तथा भोपाल परिसर ने नाटक 'भारतविजयम्' का मंचन किया। इस नाटक की रचना मथुरा प्रसाद दीक्षित ने की। नाटक की कहानी भारत पर अंग्रेजी आक्रांता की घुसपैठ का वृत्तांत सुनाते हुए होती है। भारत माता राज-कृष्ण और मांधाता को पुकारती हैं, नेपथ्य की पुकार सुनकर भारत माता उस विदेशी को भारत राज की पुत्री राजकुमारी की बीमारी दूर करने की आज्ञा देती है।

नाटक में सम्राट पृथ्वीराज गुप्त वेश धारण कर सामंतों के साथ शिकार करने के लिए वन जाता हैं। इसी बीच मोहम्मद गौरी दिल्ली की ओर कूच करता हैं। युद्ध में गौरी को बंदी बनाकर पृथ्वीराज के सामने पेश किया जाता है। तभी पृथ्वीराज चौहान मोहम्मद गौरी की मनोअभिलाषा जाने बिना उसकी प्रतिज्ञा को सुनकर उसे मुक्त कर देता हैं। नाटक में पृथ्वीराज और संयोगिता की अमर प्रेम कहानी को भी दिखाया गया है।

प्रशासन अकादमी में नाटक 'पृथ्वीराज चौहान' और 'भारत विजय' का मंचन

पृथ्वीराज ने शब्द भेदी बाण से मोहम्मद गौरी का किया वध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पृथ्वीराज चौहान और संयोगिता की अमर प्रेम कहानी

संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा गुरुवार को प्रशासन अकादमी में आयोजित अन्त: परिसरीय संस्कृत नाट्य समारोह का समापन दिवस पर देश के दो संस्कृत विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने शूरवीरों की गाथा से सजे नाटकों का मंचन किया, जिसमें संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर कर्नाटक द्वारा नाटक 'पृथ्वीराज चौहान' तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा नाटक 'भारत विजय' का मंचन किया गया।

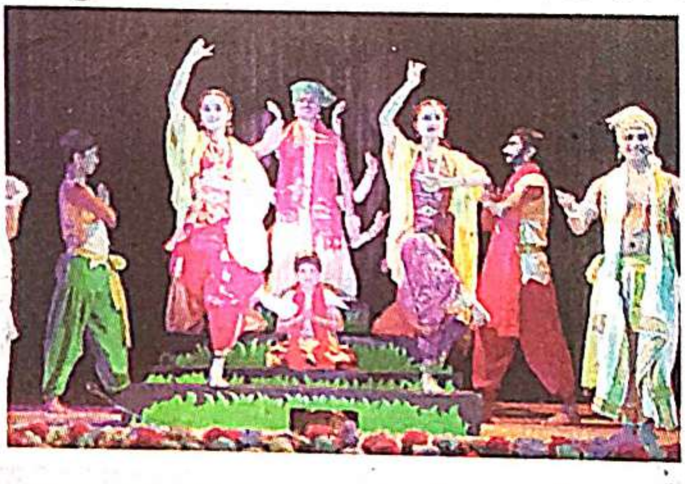

नाटक में अलग दृश्यों से वीर पृथ्वीराज की गाथा को प्रस्तुत किया

इस नाटक में अलग अलग दृश्यों से वीर पृथ्वीराज की गाथा को प्रस्तुत किया है। नाटक भारत के विशाल भूभाग के सम्राट पृथ्वीराज के गुप्त वेश धारण करके सामंतों के साथ शिकार करने के लिए वन जाता है। इसी बीच कुटिलमति मोहम्मद गौरी पृथ्वीराज के राज्य दिल्ली की ओर कूच करता हैं। वहां मोहम्मद गोरी को पृथ्वीराज द्वारा बंदी बना दिया जाता है और पृथ्वीराज के सम्मुख उसे प्रस्तुत किया जाता है तभी पृथ्वीराज चौहान मोहम्मद गौरी की मनो अभिलाषा जाने बिना उसकी शपथ प्रतिज्ञा को सुनकर उसे मुक्त कर देता है। एक ओर दृश्य में दिखाया कि कैसे शत्रुओं की आवाज सुनकर पृथ्वीराज चौहान शब्दभेदी विद्या से तीर चलाकर उन्हें मार देते हैं।

जयचंद की पुत्री संयोगिता पृथ्वीराज से बहुत प्रेम करती है इसलिए वह किसी अन्य व्यक्ति से विवाह नहीं करना चाहती है, पुत्री के ना चाहने पर भी जयचंद स्वयंवर रचाने का फैसला करता है, जहां पृथ्वीराज को अपमानित करने के लिए उनकी लौह प्रतिमा बनाकर द्वारपाल के स्थान पर रख देते हैं, संयोगिता पृथ्वीराज की लौह प्रतिमा को ही जय माला ,अर्पित करती हैं। इधर, छल कपट करके गोरी के सैनिक पृथ्वीराज की सेना पर धावा बोलते हैं और पृथ्वीराज को बंदी बनाकर कारागार में डाल देते हैं, इसके बाद मोहम्मद गौरी पृथ्वीराज की आंखें निकाल देता है। चंदबरदाई का पृथ्वीराज के पास आगमन होता है जो मोहम्मद गौरी के पास पृथ्वीराज के द्वारा तीरंदाजी का प्रस्ताव रखते हैं, मंत्रियों के विरोध के बांद भी इस प्रस्ताव को मोहम्मद गोरी स्वीकार कर लेता है और अचूक शब्दभेदी बाण से पृथ्वीराज ने गोरी को मार गिराया।

गांधी, तिलक जैसे वीर योद्धा दिलाते हैं विदेशी आक्रांताओं से मुक्ति

कहानी की शुरुआत भारत पर अंग्रेजी आक्रांता की घुसपैठ का वृतांत सुनाते हुए होती है। भारत माता राज्य कृष्णा मांधाता को पुकारती हैं तभी अचानक वे वैदेशिक का प्रवेश होता है। नेपथ्य की पुकार सुनकर भारत माता उस विदेशी को भारत राज की पुत्री राजकुमारी की बीमारी दूर करने की आज्ञा देती हैं। भारतराज के दरबार में विदेशी पहुंचता है और उसकी पुत्री को अपनी चिकित्सा से स्वस्थ कर देता है। राजा उपहार स्वरूप उसे भारत में व्यापार करने के लिए अनुमति पत्र प्रदान करता है। देखते ही देखते भारत के व्यापारियों का रोजगार चले जाने लगता है। धीरे-धीरे अंग्रेजों के कदम भारत में बढ़ने लगते हैं। इस प्रकार व्यापार के बहाने से अंग्रेज भारत में प्रवेश कर निरीह भारतीयों को वंचित व पीड़ित करते हैं। भारत के नागरिकों की दुर्दशा और विदेशी व्यापार की वंचना से भारत माता चिंतित होती है। इस प्रकार अंग्रेजी की वंचना के तांडव से वीर भारतीय सपूतों के स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु मुखरित होते हैं, जिसमें महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि के नेतृत्व में भारत माता के वीर सपूत आंदोलन करते हैं। समस्त भारत में वंदे मातरम की गूंज सुनाई देने लगती है। अंत में भारत माता के वीर पुत्रों के प्रयास और बलिदान से भारत माता अंग्रेजों के बंधन से मुक्त होती हैं।

- नाटक- भारत विजय,
- रचना- मथुरा प्रसाद दीक्षित
- प्रस्तुति- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर

पृथ्वीराज के शब्दभेदी बाण के प्रयोग को किया जीवंत

केंद्रीय संस्कृत विवि में तीन दिवसीय नाट्य समारोह का समापन

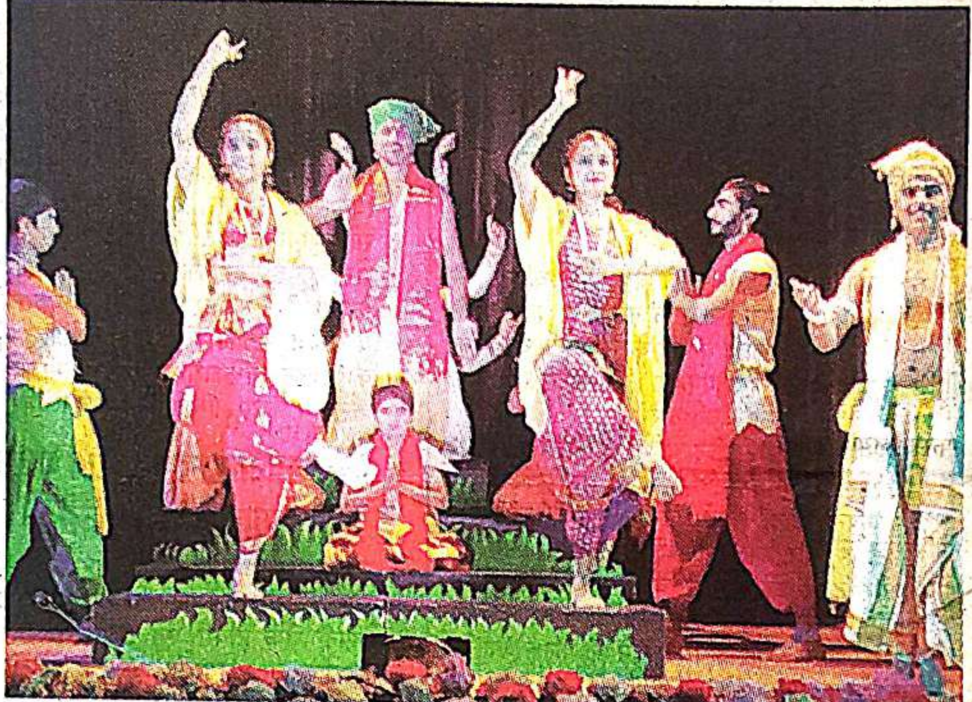

जासि। केंद्रीय संस्कृत विवि भोपाल परिसर में आयोजित तीन दिवसीय अन्तःपरिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का गुरुवार को समापन हुआ। महोत्सव के तीसरे दिन केंद्रीय संस्कृत विवि राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी कर्नाटक के द्वारा वीर पृथ्वीराज नाटक की प्रस्तुति हुई। पृथ्वीराज चौहान के शौर्य व साहस को मंच पर दर्शाने वाले इस नाटक ने पृथ्वीराज के शब्दभेदी बाण के प्रयोग को जीवंत कर दिखाया। संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता के अंत में मेजबान भोपाल परिसर ने भारत विजय नाटक का मंचन किया। इस नाटक में भारत के नागरिकों की दुर्दशा और विदेशी व्यापार की वंचना से भारत माता की चिंता को दर्शाया गया। अंग्रेजों के अत्याचारों से लोहा लेने वाले वीर भारती के सपूतों के नेतृत्व में भारत माता के समस्त जन तीव्र आंदोलन करते हैं, पर अंततः वंदे मातरम् की अनुगूंज के साथ अपने साहसी पुत्रों के सतत प्रयास और बलिदान से भारत माता अंग्रेजों के बंधन से मुक्त होती हैं।

महोत्सव के अंतिम दिन केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रोफेसर जे भानुमूर्ति का सम्मान किया। नाट्य महोत्सव के संपूर्ति सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, मंत्री उषा ठाकुर, एमसीयू के कुलपति प्रो. केजी सुरेश, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जयिनी के सचिव प्रोफेसर विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल सहित अन्य वरिष्ठजन उपस्थित थे।

City भास्कर
भोपाल, शुक्रवार, 25 मार्च 2022 | 9

श्रृंगेरी कैंपस फर्स्ट तो सेकंड रहे भोपाल और जयपुर के नाटक

संस्कृत नाट्य समारोह का समापन, अंतिम दिन रिजल्ट घोषित

सिटी रिपोर्टर। शाहपुरा स्थित प्रशासन अकादमी में चल रहे राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह का गुरुवार को समापन हुआ। केंद्रीय संस्कृत विवि के देशभर के 11 संस्कृत संस्थानों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। अंतिम दिन इसमें रिजल्ट की घोषणा हुई। कर्नाटक के श्रृंगेरी कैंपस को वीर पृथ्वीराज नाटक के लिए पहला, भोपाल को भारतविजयम् और जयपुर को भारतविवेकम् के लिए संयुक्त रूप से दूसरा स्थान मिला।

यह था क्राइटेरिया

▪ नाट्यशास्त्र के अनुसार भाव-भंगिमा ▪ नाट्यशास्त्र के सिद्धांत ▪ मुद्राएं ▪ उच्चारण ▪ प्रॉप्स ▪ कॉस्ट्यूम ▪ सम्पूर्ण रूप से जुड़ाव

पृथ्वीराज की वीरता को जीवंत किया

अंतिम दिन दो नाटकों की प्रस्तुति हुई। पहले श्रृंगेरी परिसर की ओर से वीर पृथ्वीराज नाटक खेला गया। इसमें पृथ्वीराज की वीरता दिखाई। दूसरे नाटक में भोपाल कैंपस का भारतविजयम् खेला गया। इसमें भारत की अंग्रेजों पर विजय को पेश किया।

पत्रिका plus
Bhopal, Thursday 24/03/2022 patrika.com/entertainment

Drama in city प्रशासन अकादमी में संस्कृत नाट्य समारोह

पांच नाटकों में दिखी वीर योद्धाओं की कहानी

भोपाल. केंद्रीय संस्कृत विवि की ओर से प्रशासन अकादमी में आयोजित संस्कृत नाट्य समारोह में बुधवार को पांच नाटकों का मंचन किया गया। इस दौरान सम्राट अशोक, राणा अमर सिंह, वीर शिवाजी और स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित घटनाओं का विवरण दिया गया। केंद्रीय संस्कृत विवि, श्रीसदाशिव परिसर, पुरी और ओडिशा ने अशोक विजय नाटक की प्रस्तुति दी। जिसमें भारत वर्ष के महान दर्शन से प्रेरित होकर राजराजेश्वर सम्राट अशोक हिंसा को छोड़ मैत्री भाव से विश्वविजय प्राप्त करने वाला अशोक प्रियदर्शी बन गया। अमरमङ्गलम नाटक से राणा अमरसिंह की निर्भय वीरता मंच पर प्रदर्शित की गई। नाटक के प्रथम एक से चार अंक केन्द्रीय संस्कृत विवि, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा एवं पांच से आठ अंक केंद्रीय संस्कृत विवि, रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग और उत्तराखण्ड ने मंचित किए। मातृभूमि चित्तौड़ की रक्षा के लिए मेवाडपति राणा अमरसिंह ने शत्रुओं से वीरतापूर्वक लोहा लिया एवं अपने समस्त सैनिकों-सेनापतियों में उत्साह भर दिया। केंद्रीय संस्कृत विवि, जयपुर ने भारत विवेक का मंचन किया। स्वामी विवेकानन्द के चरित्र पर आश्रित इस नाटक में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा से नरेन्द्र के स्वामी विवेकानन्द बनने की विकास यात्रा बताई गई हैं।

पीपुल्स समाचार

संस्कृत में मंचित पांच नाटकों में दिखाई वीर योद्धाओं की गाथा

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9582826011

केंद्रीय संस्कृति विवि द्वारा प्रशासन अकादमी में आयोजित संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को पांच नाटकों का मंचन हुआ। इसमें सम्राट अशोक, राणा अमर सिंह, वीर शिवाजी और स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित घटनाओं का विवरण दिया गया। केंद्रीय संस्कृत विवि, सदाशिव परिसर, पुरी और ओडिशा ने अशोक विजय नाटक की प्रस्तुति दी। इसमें भारत वर्ष के महान दर्शन से प्रेरित होकर राजराजेश्वर सम्राट अशोक हिंसा को छोड़ मैत्री भाव से विश्व विजय प्राप्त करने वाला अशोक प्रियदर्शी बन गया। अमर मंगलम नाटक के द्वारा राणा अमर सिंह की निर्भय वीरता मंच पर प्रदर्शित की गई। अमर मंगलम नाटक के प्रथम एक से चार अंक केन्द्रीय संस्कृत विवि, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा एवं पांच से आठ अंक केंद्रीय संस्कृत विवि, रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग और उत्तराखंड ने मंचित किए। मातृभूमि चित्तौड़ की रक्षा के लिए मेवाड़ पति राणा अमरसिंह ने शत्रुओं से वीरतापूर्वक लोहा लिया एवं अपने समस्त सैनिकों-सेनापतियों में उत्साह भर दिया। केंद्रीय संस्कृत विवि, जयपुर परिसर, जयपुर राजस्थान ने भारत विवेक का मंचन किया। स्वामी विवेकानंद के चरित्र पर आधारित इस नाटक में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा से नरेंद्र के स्वामी विवेकानन्द बनने की विकास यात्रा को दिखाया।

संस्कृत के पांच नाटकों में दिखाए भारत के वीर सपूत

संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता का दूसरा दिन

जासि। संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को मंचित हुए पांच नाटकों में सम्राट अशोक, राणा अमर सिंह, वीर शिवाजी व स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित घटनाओं को जीवंत किया गया। प्रशासन अकादमी में हो रहे इस नाट्य समारोह में केंद्रीय संस्कृत विवि, श्रीसदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा ने अशोक विजय नाटक की प्रस्तुति दी। इसमें भारत वर्ष के महान दर्शन से प्रेरित होकर राजराजेश्वर सम्राट अशोक हिंसा को छोड़ मैत्री भाव से विश्वविजय प्राप्त करने वाला अशोक प्रियदर्शी बन गया। अमरमङ्गलम् नाटक के द्वारा राणा अमरसिंह की निर्भय वीरता मंच पर प्रदर्शित की गई।

अमरमङ्गलम् नाटक के प्रथम एक से चार अंक केंद्रीय संस्कृत विवि, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा एवं पांच से आठ अंक केन्द्रीय संस्कृत विवि, श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड ने मंचित किए। मातृभूमि चित्तौड़ की रक्षा के लिए मेवाडपति राणा अमरसिंह ने शत्रुओं से वीरतापूर्वक लोहा लिया एवं अपने समस्त सैनिकों-सेनापतियों में उत्साह भर दिया।

केंद्रीय संस्कृत विवि, जयपुर परिसर, राजस्थान ने भारत विवेक का मंचन किया। स्वामी विवेकानन्द के चरित्र पर आधारित इस नाटक में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा से नरेन्द्र के स्वामी विवेकानन्द बनने की विकास यात्रा बताई गई। केंद्रीय संस्कृत विवि के क.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई, महाराष्ट्र ने वीर शिवाजी के साहस, धैर्य, शील और विनम्र चरित्र को मंच पर प्रदर्शित किया।

प्रशासन अकादमी में संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता में पांच नाटकों का मंचन

देश की आजादी के लिए शहीद जवानों की गाथा को नाटक के माध्यम से मंचित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश को आजाद दिलाने में अनेकों वीर जवानों ने हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान दिया है फिर वो तुर्क साम्राज्य हो या फिर अरबों का आक्रमण और अंततः मुगल व अंग्रेजों ने सैकड़ों वर्षों की यातनाएं देकर भारतीय आत्मा को कचौट दिया, जिसमें जहां मुग्लों से रक्षा करने में राजपूत, मराठा सिख साम्राज्य ने लोहा लिया, वहीं क्रांतिकारी वीर यौद्धाओं ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए। देश के ऐसे ही पांच वीरों की गाथा कहते नाटक का मंचन बुधवार शाम प्रशासन अकादमी में किया गया। जिसमें संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता के दूसरे दिन शहीद दिवस पर अमर वीर जवानों की गाथों को नाटक के माध्यम से मंचित किया। इस नाट्य प्रतियोगिता में देश के कई राज्यों के संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

कलिंग युद्ध के बाद युद्ध नीति त्याग कर अपनाई धम्म नीति

अशोका नाटक में दिखाया गया कि कैसे युद्ध नीति छोड़कर धम्म नीति अपनाकर बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार सम्पूर्ण विश्व में करता है। है इसकी अगली कड़ी में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा से नरेन्द्र के स्वामी विवेकानन्द बनने की विकास यात्रा को नाटक 'भारत विवेक' में दिखाया।

राणा अमर सिंह, अशोक, शिवाजी, विवेकानंद की कहानियों का मंचन

पांच नाटकों में सम्राट अशोक, राणा अमर सिंह, वीर शिवाजी व स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर आधारित घटनाओं का विवरण दिया गया। जिसमें श्रीसदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा ने अशोक विजय नाटक की प्रस्तुति दी। वहीं अमरमंगलम नाटक के द्वारा राणा अमरसिंह की निर्भय वीरता मंच पर प्रदर्शित की गई। जयपुर राजस्थान ने भारत विवेक में स्वामी विवेकानन्द के चरित्र पर आश्रित नाटक को मंचित किया। मुम्बई, महाराष्ट्र ने वीर शिवाजी के साहस, धैर्य, शील और विनम्र चरित्र को मंच पर प्रदर्शित किया।

राणा अमर सिंह ने चित्तोड़ की रक्षा का जिम्मा लिया

अमरमंलम नाटक में दिखाया कि मातृभूमि चित्तौड़ की रक्षा के लिए मेवाड़ पति और महाराणा प्रताप के बेटे राणा अमरसिंह मुग्लों से रक्षा करते हैं और हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान करते हैं। वीरों के अमरता की गाथा कहते इन नाट्य प्रस्तुति की अंतिम कड़ी में वीर छत्रपति शिवाजी की दास्तां को बेहद ही उम्दा ढंग से दर्शाया ओर बताया कि कैसे गोरिल्ला युद्ध पद्धिती से औरंगजेब के चुंगल से भागकर उसके गढ़ों को जीतते हैं और मराठा साम्राज्य की स्थापना करते हैं।

City भास्कर
भोपाल, गुरुवार, 24 मार्च 2022 | 8

कॉम्पिटिशन में देशभर के संस्कृत संस्थान ने नाट्य मंचन से बांधा समां

मंच पर जीवंत हुए सम्राट अशोक शिवाजी, विवेकानंद के किरदार

ड्रामा इन सिटी

सिटी रिपोर्टर | संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी कला की असीम प्रदर्शनी से देश के कई अलग अलग राज्यों से आई हुई टीम्स ने दर्शको के मन को मोह लिया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंचित हुए 5 नाटकों में सम्राट अशोक,राणा अमर सिंह, वीर शिवजी व स्वामी विवेकानंद पर आधारित घटनाओं का विवरण दिया गया। समारोह के दूसरे दिन ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, राजस्थान, महाराष्ट्र के संस्कृत विश्वविद्यालयों से आए लगभग 88 कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

▪ नाटक : अशोकविजयम्, ▪ प्रस्तुति : श्रीसदाशिव परिसर, पुरी

कलिंग युद्ध में लाखों लोगों के नरसंहार के बाद सम्राट अशोक के हिंसा का रास्ता त्यागकर अहिंसा चुनकर विश्वविजयी बनने की कहानी है। प्रो. खगेन्द्र मिश्रा के निर्देशन में सिद्धार्थ शंकर ने अशोक की भूमिका निभाई।

▪ नाटक : अमरमंगलम् ▪ प्रस्तुति : एकलव्य परिसर, अगरतला

राणा अमर सिंह के साथ मान सिंह कें कपट के बारे में दिखाया गया। त्रिपुरा से आई इस टीम में कुल 22 कलाकार हैं। जिसमे 2 मार्गदर्शकों ने निर्देशन किया।

▪ नाटक : भारतविवेकम् ▪ प्रस्तुति : जयपुर परिसर

स्वामी विवेकानद के चरित्र पर आश्रित इस नाटक में स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा से नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद बनने की यात्रा बताई गई हैं। रामकृष्ण के मैं में आये संशय से लेकर उसी संशय का स्वयं नष्ट हो जाने की कहाँ को इस नाटक में दर्शाया गया हैं। इसमें विवेकानंद की कन्याकुमारी यात्रा भी दर्शायी गयी हैं और उसके बाद अपने गुरु द्वारा स्वप्न में वभारत का उद्धार करने की बात को मानते हैं।

▪ नाटक : शिवराज्याभिषेकम् ▪ प्रस्तुति : क.जे. सोमैया परिसर, मुंबई

वीर छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, धैर्य, शील और विनम्र चरित्र के मंच पर प्रदर्शन किया गया। इसमें रायगढ़ के दुर्ग में राज्याभिषेक का वर्णन किया गया। जन्म से लेकर उनकी शिक्षा, युद्ध कला, हिन्दू धर्म का संरक्षण और नारियों का दृढ सम्मान के जरिये उनके चरित्र पर रोशनी डाली गई।

FREE PRESS www.freepressjournal.in INDORE / BHOPAL | WEDNESDAY | MARCH 23, 2022

material.

Entertainment not sole objective of theatre: Nitish Bharadwaj

3-day Inter-Campus Sanskrit Drama Festival begins at Academy

OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

Film and TV actor Dr Nitish Bharadwaj has said that entertainment is not the sole objective of theatre. Theatre transports the audience from one world into another and the actors, thus, create a new world.

Bharadwaj was speaking on the inaugural day of a three-day Inter-Campus Sanskrit Drama Festival at Academy of Administration in the city on Tuesday. Central Sanskrit University, Bhopal, has organised the drama festival. Bharadwaj was chief guest in the event. He threw light on the importance of Sanskrit language. "Sanskrit connects all the languages," he said.

Vice Chancellor of Maharshi Panini Sanskrit and Vaidik University, Ujjain, Prof CG Vijaykumar was the guest of honour while the vice chancellor of Central Sanskrit University Prof Shrinivasa Varakhedi chaired the event.

Prof Varakhedi said association of Sanskrit with creative expressions would ensure the growth of Indian culture. He said that University had decided to organise the drama festival, based on the Indian freedom struggle, to promote patriotism among participants and the audience. Prof Sarvanarayan Vyas, director of Lucknow Campus, proposed vote of thanks.

Prof J Bhanumurthy, director of Bhopal Campus, said the cultural diversity of India would be on display at the fest. Prof Ramakant Pandey talked about the plays to be staged as part of the fest.

Besides, the glimpses of the plays to be staged at the fest were presented under Purvarang. Four plays were staged on the inaugural day, including Swatantryashauryam by Shri Ranvir Parisar, Jammu, Mewarpratap (Acts 1-3) by Shri Ved Vyas Campus, Himachal Pradesh, Mewarpratap (Acts 4-6) by Lucknow campus, Givarnavijay by Guruvayur Campus, Kerala. A total of 11 plays will be staged at the fest.

अंग्रेजों ने भी स्वीकारा कि उनकी भाषा पर संस्कृत का प्रभाव पड़ा : नीतीश भारद्वाज

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य महोत्सव शुरू

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य महोत्सव मंगलवार से शुरू हुआ। कार्यकम के मुख्य अतिथि महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत के माध्यम से नाटकों का मंचन एक ऐसी कल्पना है, जो भारत की इस धरोहर को जीवित रखने के लिए बहुत आवश्यक है। बहुत समय पहले मैंने एक डाक्यूमेंट्री देखी थी, जिसमें अंग्रजों से स्वीकार किया था कि इस देवभाषा का प्रभाव उनकी प्राचीन भाषा लैटिन, ग्रीक, अविस्तन, जर्मन, रशियन पर पड़ा। तब मैंने बहुत गौरव का अनुभव किया था कि इस देववाणी को जिस जगह बोला जाता है, मैं उस जगह से हूं।

नीतीश भारद्वाज। © नवदुनिया

राजधानी के शाहपुरा स्थित प्रशासन अकादमी में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा किसी भी धरोहर का एक महत्वपूर्ण अंग होती है और संस्कृत भाषा तो है ही प्राचीन। ये सनातन धर्म की भाषा, साहित्य की भाषा, ऋग्वेद की भाषा और देववाणी है, जिसका प्रभाव पूरे विश्व में दिखाई देता है। 25 साल पहले मैंने मलयालम में फिल्म की थी। उसको करने में इसलिए आसानी हुई, क्योंकि मलयालम में 70 से 80 प्रतिशत संस्कृत थी और शब्द समझ आ रहे थे। बंगाली, मराठी, गुजराती भाषा देखें, उसमें भी बहुत सारे संस्कृत के शब्द हैं। इस भाषा का प्रभाव हर भाषा में देखने को मिलता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सीजी विजयकुमार थे।

सांस्कृतिक विविधता के रंग देखने को मिले

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने कहा कि भारत वर्ष की सांस्कृतिक विविधता के रंग भोपाल में रंगपंचमी के दिन साक्षात प्रदर्शित हो रहे हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि आधुनिक युग में भी यह अत्यावश्यक है कि कला कर्म व संस्कृत साथ-साथ रहें। कलाधर्मिता के साथ में यदि संस्कृत जुड़ी रहती है, तभी भारतीय संस्कृति पोषित व पल्लवित होती है। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा. मधुकेश्वर भट्ट ने किया।

प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में संस्कृत नाटक 'मीवारप्रतापम्' का मंचन करते कलाकार। नाटक की सेट डिजाइनिंग और प्रकाश व्यवस्था आकर्षक थी। © प्रवीण दीक्षित

चार नाटकों का हुआ मंचन : नाट्य महोत्सव के संयोजक प्रो. रमाकांत पांडेय ने इस वर्ष के नाट्य महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की व समस्त नाटकों की विषयवस्तु की जानकारी दी। पहले दिन चार नाटकों का मंचन हुआ। इसमें कोटभलवाल (जम्मू) ने नाटक स्वातंत्र्यशौर्यम्, बलाहर (हिमाचल प्रदेश) ने नाटक मीवारप्रतापम् (1-3), लखनऊ (उत्तर प्रदेश) ने नाटक मीवारप्रतापम् (4-6) और पुन्नराटुक्करा (केरल) के कलाकारों ने नाटक गीर्णाणविजयम् प्रस्तुत किया।

City भास्कर
भोपाल, बुधवार, 23 मार्च 2022 | 7

राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह शुरू, पहले दिन 4 नाटक, 90 कलाकारों ने की एक्टिंग

फिल्मी ट्रेलर की तरह बनाया पूर्वरंग, तीन दिन में होने वाले 11 नाटकों की झलकियां दिखाईं

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

नाट्यशास्त्र के अनुसार पूर्वरंग नाटक से पहले किया जाता है। इसमें ज्यादातर रंग संगीत या स्तुतियां होती हैं, लेकिन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से मंगलवार से शुरू हुए 3 दिनी राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह में भोपाल संस्कृत संस्थान के 36 कलाकारों ने समारोह में होने वाले 11 नाटकों के एक-एक दृश्य को पूर्वरंग में ऐसे पिरोया जैसे फिल्मी ट्रेलर हो। ये समारोह प्रशासन अकादमी के सभागार में चल रहा है।

पहले मंच पवित्र किया जाता है

संस्कृत नाटक में परंपरा है कि नाटक शुरू होने से पहले शिशिर वाद्य बजते हैं। इसके बाद मंच पर झाड़ू लगाकर स्वच्छ किया जाता है। फिर जल सिंचन कर पवित्रीकरण किया जाता है। समारोह के पहले दिन केरल, जम्मू, लखनऊ और हिमाचल के संस्कृत संस्थानों के 90 कलाकारों ने एक्टिंग की।

▪ नाटक- स्वातंत्र्यशौर्यम् ▪ प्रस्तुति- श्रीरणवीरपरिसर, जम्मू
पहली नाट्य प्रस्तुति में चंद्रशेखर आजाद का शौर्य देखने मिला। इसमें उनकी पूरी कहानी को प्रस्तुत किया गया। इसमें उनका ब्रह्मचर्य पालन, देश की आजादी के समर्पणा की प्रतिज्ञा, न्यायाधीश द्वारा 15 कोड़ों की सजा, शिवप्रसाद गुप्त द्वारा आजाद की उपाधि देना, गांव में ब्रह्मचारी बनकर रहना और अल्फ्रेड पार्क में आंदोलनों की योजना और शहीद होना दिखाया गया।

▪ **नाटक- मीवारप्रतापम् (1 से 3 अंक)**
▪ **प्रस्तुति- श्रीवेदव्यासपरिसर, हिमाचल प्रदेश**

आचार्य हरिदाससिद्धान्तवागीश का 1944 में रचित मिवारप्रतापम् नाटक राणासांगा के वंशज महाराणा प्रताप पर लिखा गया। पहले अंक में मानसिंह के साथ भोजन न करने के कारण राणाप्रताप की उनसे अनबन, दूसरे में अकबर के उद्यान में महिलाओं के मेले का चित्रण और तीसरे में मानसिंह अकबर से मिलकर राणाप्रताप से युद्ध की योजना बनाता है।

▪ **नाटक- मीवारप्रतापम् (4 से 6 अंक)**
▪ **प्रस्तुति- लखनऊ परिसर**

इसमें चौथे अंक में मानसिंह अरावली के बाहरी क्षेत्र में यवनसेना के साथ युद्ध के लिए पहुंचता है। विशाल यवनसैन्य को देखकर प्रताप अपने दरबारियों से बात कर हल्दीघाटी को युद्ध के लिए चुनता है। पांचवें अंक में प्रताप सपरिवार अरावली में वनवास एवं विपन्नता दिखाया। छठवें में विपरीत परिस्थितियों से खिन्न होकर प्रताप उद्वेलित होकर अकबर को सन्धिपत्र भेजते हैं।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से प्रशासन अकादमी में संस्कृत नाट्य समारोह का आयोजन

नाट्य प्रस्तुतियों में दिखाई स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों की वीर गाथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन प्रशासन अकादमी में किया जा रहा है। इसमें देशभर के 99 संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एक्टर नीतीश भारद्वाज थे। उन्होंने कहा कि कलाकार कला के प्रभाव से स्वयं ही स्वतन्त्र होता है। नाटक का उद्देश्य मात्र मनोरंजन नहीं होता है बल्कि दर्शकों को एकभाव विश्व से निकालकर दूसरे भाव विश्व में पहुंचाना है। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि आधुनिक युग में भी यह अत्यावश्यक है कि कला, कर्म व संस्कृत एक-दूसरे के साथ-साथ रहें, तभी भारतीय संस्कृति पोषित व पल्लवित होती है।

हर ग्रुप में 25 सदस्य

विद्यार्थियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर नाटक तैयार किए हैं। इसमें साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, जैन दर्शन, आधुनिक विषय और शिक्षा शास्त्री जैसे विभागों के विद्यार्थियों ने 15 से 20 दिन की रिहर्सल की। रंगकर्मियों ने उन्हें रंगमंच की बारिकियों से रू-ब-रू कराया तो शिक्षकों ने संस्कृत संवाद सिखाए। हर ग्रुप में 25 सदस्य थे। इस समारोह का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना है। स्वतंत्रता संग्राम और देश के अमर बलिदानियों पर भी नाटक लिखे गए हैं, लेकिन आमजन तक इनकी पहुंच नहीं है। पहले दिन नाटक स्वातंत्र्यशौर्यम, मिवारप्रतापम और गीर्वाणविजयम का मंचन हुआ।

आजाद की गाथा

प्रो. शिवजी उपाध्याय के लिखे स्वातन्त्र्यशौर्यम् नाटक चंद्रशेखर आजाद के बलिदान पर आधारित है। नाटक में दिखाया गया कि आजाद 15 वर्ष की आयु में आंदोलन में हिस्सा लेने पर उन्हें 15 कोड़े की सजा दी जाती है। इसका मंचन जम्मू परिसर के विद्यार्थियों ने किया।

पत्रिका 06
Bhopal. Wednesday 23/03/2022

p · spotlight plus

प्रशासन अकादमी में केंद्रीय संस्कृत विवि का संस्कृत नाट्य समारोह शुरू

संस्कृत को बढ़ावा देने 15 दिन में सीखा रंगकर्म

पत्रिका plus रिपोर्टर

भोपाल. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन प्रशासन अकादमी में किया जा रहा है। इसमें देशभर के 11 संस्कृत विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि एक्टर नीतीश भारद्वाज थे। उन्होंने कहा कि कलाकार कला के प्रभाव से स्वयं ही स्वतन्त्र होता है। नाटक का उद्देश्य मात्र मनोरंजन नहीं होता है बल्कि दर्शकों को एकभाव विश्व से निकालकर दूसरे भाव विश्व में पहुंचाना है। इसके चलते वह कभी परतंत्र हो ही नहीं सकता। वहीं, कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि आधुनिक युग में भी यह अत्यावश्यक है कि कला, कर्म व संस्कृत एक-दूसरे के साथ-साथ रहें। कलाधर्मिता के साथ में यदि संस्कृत जुड़ी रहती है तभी भारतीय संसकृति पोषित व पल्लवित होती है।

हर ग्रुप में 25 सदस्य

देशभर में 11 परिसरों के विद्याथियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर नाटक तैयार किए हैं। इसमें साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, जैन दर्शन, आधुनिक विषय और शिक्षा शास्त्री जैसे विभागों के विद्याथियों ने 15 से 20 दिन की रिर्हसल की। रंगकर्मियों ने उन्हें रंगमंच की बारिकियों से रू-ब-रू कराया। वहीं शिक्षकों ने संस्कृत संवाद सीखाए। हर ग्रुप में 25 सदस्य थे। समारोह से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस समारोह का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना है। संस्कृत में सैकड़ों सालों से नाटक लिखे जा रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम और देश के अमर बलिदानियों पर भी नाटक लिखे गए हैं, लेकिन आमजन तक इनकी पहुंच नहीं है। पहले दिन नाटक स्वातंन्त्र्यशौर्यम्, मिवारप्रतापम् और गीर्वाणविजयम् का मंचन हुआ। करीब दस साल बाद भोपाल परिसर को इस समारोह को कराने की जिम्मेदारी दी गई है।

'स्वांतन्त्र्यशौर्यम्' में दिखाई आजाद की गाथा

स्वांतन्त्र्यशौर्यम् का लेखन प्रो. शिवजी उपाध्याय ने किया है। नाटक चंद्रशेखर आजाद के बलिदान पर आधारित है। नाटक में दिखाया गया कि आजाद गांधीजी के जीवन से काफी प्रभावित रहे। 15 वर्ष की आयु में आंदोलन में हिस्सा लेने पर उन्हें 15 कोड़े की सजा दी जाती है। इसका मंचन जम्मू परिसर के विद्यार्थियों ने किया। वहीं, श्रीवेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश) के दल ने मिवारप्रतापम् के एक से तीन अंक तथा लखनऊ परिसर के दल ने चार से छह अंक यानी दो अलग-अलग भागों में नाटक की प्रस्तुति दी। गुरुवायूर परिसर, केरल के दल ने गीर्वाणविजयम् का मंचन किया।

मैं बेस्ट एक्टर का अवार्ड जीत चुका हूं

मैं शिक्षा शास्त्री (बीएड) की भोपाल परिसर से पढ़ाई कर रहा हूं। केरल नाट्य समारोह में मुझे बेस्ट एक्टर का अवार्ड मिला था। 2015 में पढ़ाई करते हुए रंगमंच सीखा। अब तक 10 संस्कृतभाषी नाटक में अभिनय कर चूका हूं।

कृष्ण कांत पांडेय

भाषायी उच्चारण शुद्ध हो जाता है

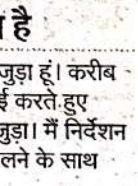

मैं जम्मू परिसर से जुड़ा हूं। करीब 15 साल पहले पढ़ाई करते हुए संस्कृत रंगमंच से जुड़ा। मैं निर्देशन की जिम्मेदारी संभालने के साथ फिल्म और टीवी इंडस्ट्री से भी जुड़ा हूं। रंगमंच हो या फिल्म, भाषायी उच्चारण बहुत जरूरी है। संवाद अदायदगी को बेहतर बनाने संस्कृत एक अच्छा ऑप्शन है।

सनित स्वामी

पीपुल्स समाचार

भोपाल, बुधवार, 23 मार्च 2022

देववाणी संस्कृत में नाट्य की धारा का दर्शन सौभाग्य की बात है: नीतीश भारद्वाज

चार संस्कृत नाटकों के प्रदर्शन से पूर्व कलाकारों ने दिखाईं उनकी झलकियां

रिपोर्टर • IamBhopal
Mobile no. 9827080406

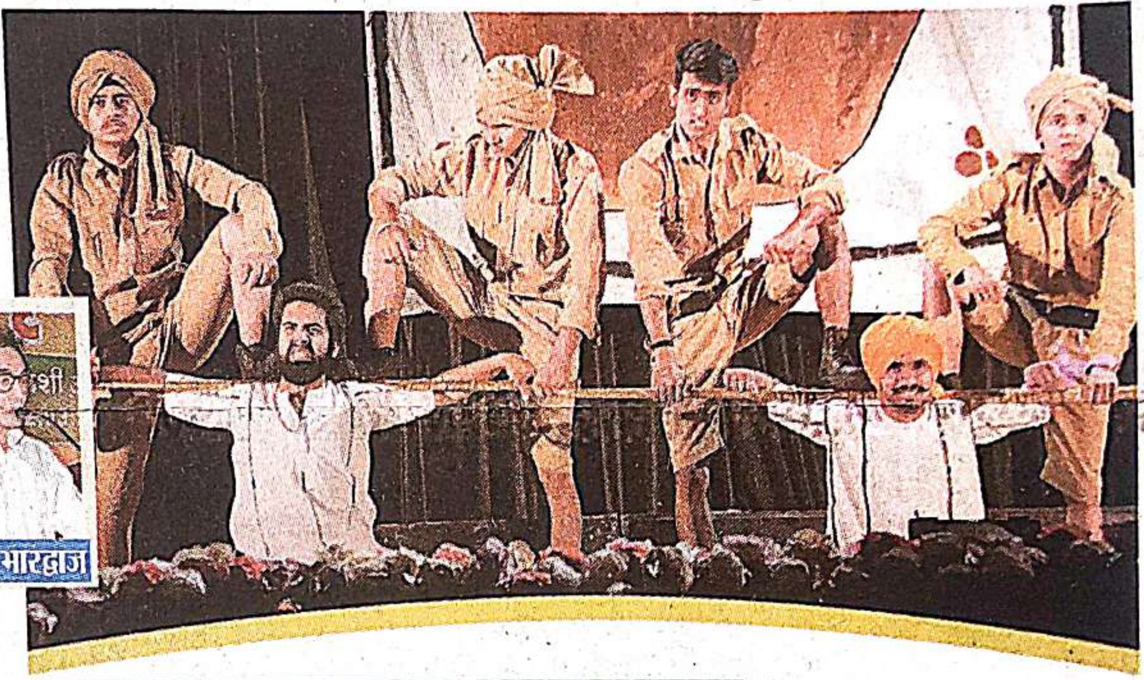

नीतीश भारद्वाज

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अन्त: परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का शुभारंभ प्रशासन अकादमी में हुआ। मुख्य अतिथि महाभारत में कृष्ण का किरदार निभाने वाले नीतीश भारद्वाज ने कहा कि कलाकार कला के प्रभाव से स्वयं ही स्वतंत्र होता है। उन्होंने कहा कि नाट्य का उद्देश्य मात्र मनोरंजन नहीं होता है, नाट्य का परम उद्देश्य होता है कि दर्शकों को एकभाव विश्व से निकालकर दूसरे भाव विश्व में पहुंचाना। इस प्रकार कलाकार अपने भाव विश्व में रहता है एवं दूसरे भाव विश्व का निर्माण करता है तो वह परतंत्र हो ही नहीं सकता। संस्कृत देववाणी है इस देववाणी में नाट्य की धारा का दर्शन सौभाग्य की बात है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता के रंग भोपाल परिसर में रंग पंचमी के दिन साक्षात प्रदर्शित हुए हैं।

वीर रस सदैव करुण रस को जोड़े रखता है: प्रो. श्रीनिवास

नाट्य महोत्सव के संयोजक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने नाट्य महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की। सारस्वत अतिथि प्रो. सीजी विजयकुमार ने कहा कि कलाकार विरोधी रसों को अपने नेत्रों के द्वारा एक ही साथ प्रस्तुत कर सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि आधुनिक युग में भी यह अत्यावश्यक है कि कला कर्म व संस्कृत एक दूसरे साथ-साथ रहें। नाटकों की विषयवस्तु स्वतंत्रता संघर्ष के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वीर रस सदैव अपने साथ करुण रस को जोड़े रहता है।

केरल, हिमाचल, जम्मू और लखनऊ की प्रस्तुति

प्रशासन अकादमी में 45-45 मिनट के 4 नाटकों का मंचन किया गया। इन नाटकों की प्रस्तुति से दर्शक बंधे रहे इसके लिए पहले सभी नाटकों का 15-15 मिनट का ट्रेलर दिखाया गया जिसमें हर नाटक की टीम ने नाटक की झलकियां दर्शकों के सामने पेश की और फिर नाटकों का सिलसिला शुरू हुआ। संस्कृत संवादों के साथ ही सभी नाटक मंचित हुए। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रणवीर परिसर, कोटवाल जम्मू कैंपस द्वारा स्वातन्त्र्यशौर्यम चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई जिसे छात्रावास में रहते हुए आचार्य से प्रेरित होकर क्रूर अंग्रेजी शासन से देश को स्वतंत्र कराने की भावना से आजीवन ब्रह्मचर्य पालन तथा देश के उद्धार के लिए सम्पूर्ण जीवन के समर्पण की प्रतिज्ञा करता है।

पत्रिका
Bhopal. Tuesday 22/03/2022
13

संस्कृत नाट्य महोत्सव आज से

भोपाल. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समारोह का उद्घाटन मंगलवार को प्रशासन अकादमी में सुबह-10.30 बजे से होगा। इसमें हरिदास सिद्धान्त वागीश, पंचानन तर्करत्न तथा मथुरा प्रसाद दीक्षित जैसे महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों की रचनाओं का मंचन होगा। पहले दिन दोपहर-12 बजे से पूर्वरंग की प्रस्तुति होगी। इसके बाद नाटक स्वातंन्त्र्यशौर्यम्, मीवारप्रतापम् और गीर्वाणविजयम् का मंचन होगा।

City भास्कर
भोपाल, मंगलवार, 22 मार्च 2022 | 7

थिएटर इवेंट

राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह

- **कब** : 22 से 24 मार्च तक
- **कहां** : प्रशासन अकादमी
- **खास** : पहली बार संस्कृत नाटक आधुनिक और आजादी की कहानियों पर खेले जाएंगे।

16वां भोपाल रंग महोत्सव

- **कब** : 24 से 27 मार्च तक
- **कहां** : शहीद भवन
- **खास** : इस नाट्य समारोह में भोपाल और अन्य शहरों के थिएटर ग्रुप हास्य और व्यंग्य नाटकों की प्रस्तुति देंगे।

दैनिक जागरण
भोपाल, 22 मार्च 2022
www.djmp.in/epaper

राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह आज से

लेक सिटी रिपोर्टर। केंद्रीय संस्कृत विवि की ओर से भोपाल स्थित संस्कृत केंद्र में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह मंगलवार से शुरू होगा। इसकी शुरुआत प्रशासन अकादमी में 10.30 बजे होगी। इसमें पहले दिन दोपहर 12 बजे से भोपाल केंद्र पूर्वरंग की प्रस्तुति देगा। इसके बाद 2:30 बजे श्रीरणवीर परिसर, जम्मू- स्वतन्त्रशौर्यम्, शाम 4 बजे श्रीवेदव्यास परिसर, हिमाचल- मीवारप्रतापम्, शाम 5:30 से लखनऊ परिसर- मीवारप्रतापम्, शाम 7 से गुरुवायूर परिसर, केरल- गीर्वाणविजयम् नाटक की प्रस्तुति होगी। दूसरे दिन सुबह 10 बजे श्रीसदाशिव परिसर, पुरी- अशोकविजयम्, 11:30 बजे एकलव्य परिसर, अगरतला- अमरमंगलम्, दोपहर 2:30 रघुनाथकीर्ति परिसर, उत्तराखंड - अमरमंगलम्, शाम 4 जयपुर परिसर- भारतविवेकम्, शाम 5:30 क.जे.सोमैयै परिसर, मुंबई - शिवराज्याभिषेकम्, शाम 7 बजे शिवसूत्रजालम् की विशेष प्रस्तुति होगी। अंतिम दिन सुबह 10 बजे श्रीराजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी- वीरपृथ्वीराजनाटकम् और 11:30 बजे से भोपाल परिसर- भारतविजयम् नाटक की प्रस्तुति होगी।

केंद्रीय संस्कृत विवि के भोपाल परिसर में तीन दिवसीय अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता आज से

भोपाल। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में 22, 23, 24 मार्च को अन्तःपरिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। यह बात संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास बरखेड़ी ने प्रेस वार्ता में बताई। अमृत महोत्सव के अंतर्गत

आयोजित इस नाट्य प्रतियोगिता में भारत के महान स्वतंत्रता संघर्ष को दर्शाने वाले 11 संस्कृत नाटक छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर रमाकांत पांडेय ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 11 परिसरों से छात्र यह प्रस्तुतियां देंगे।

City भास्कर
भोपाल, रविवार, 13 मार्च 2022

केंद्रीय संस्कृत संस्थान में 8 साल बाद होने जा रहा राष्ट्रीय संस्कृत नाट्योत्सव

पहली बार शास्त्र या पौराणिक नहीं, आधुनिक कहानियों पर खेले जाएंगे संस्कृत के नाटक

भोपाल में नाट्योत्सव

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

संस्कृत नाटक ज्यादातर पौराणिक कथाओं और पारंपरिक कहानियों पर ही खेले जाते हैं। लेकिन पहली बार संस्कृत नाटक आधुनिक कहानियों के साथ खेले जाएंगे। 22 से 24 मार्च तक केंद्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल में 8 साल बाद राष्ट्रीय संस्कृत नाट्योत्सव होने जा रहा है, जिसमें केंद्रीय संस्कृत विवि के 11 कैंपस आजादी की कहानियों पर नाट्य प्रस्तुतियां देंगे। भोपाल परिसर की ओर से भारतविजयम् नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके मुख्य निर्देशक सनन्दन कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस नाटक में अंग्रेजों का देश में आना और स्वंतत्रता सेनानियों के आंदोलन दिखाए जाएंगे।

रोज 4 नाटकों की प्रस्तुति की जाएगी

केंद्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल के निदेशक प्रो.जे.भानुमूर्ति ने बताया इसमें रोज 4 नाटकों की प्रस्तुति होगी। इसके लिए संस्कृत संस्थान भोपाल के अलावा प्रशासन अकादमी के सभागार में भी नाटक होंगे। सभी नाटक करीब 1 घंटे के होंगे।

ये नाटक होंगे

जे एंड के कैंपस- स्वतन्त्रशौर्यम्
श्रीवेदव्यास कैंपस, हिमाचल- मीवारप्रतापम्
लखनऊ कैंपस- मीवारप्रतापम्
गुरुवायूर कैंपस, केरल- गीर्वाणविजयम्
श्रीसदाशिव कैंपस, पुरी- अशोकविजयम्
एकलव्य कैंपस, अगरतला- अमरमंगलम्
रघुनाथकीर्ति कैंपस, उत्तराखंड- अमरमंगलम्
जयपुर कैंपस- भारतविवेकम्
क.जे.सोमैयै कैंपस, मुंबई- शिवराज्याभिषेकम
श्रीराजीव गांधी कैंपस, श्रृंगेरी- वीरपृथ्वीराजनाटकम्
भोपाल कैंपस- भारतविजयम्

city भास्कर

BHOPAL, WEDNESDAY, 22/03/2017 16

संस्कृत नाटक के साथ नृत्य में दिखाईं परंपराएं

संस्कृति संस्थान में वार्षिकोत्सव-2017

सिटी रिपोर्टर • राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में मंगलवार को वार्षिकोत्सव मनाया गया। गीत-संगीत, नाट्य और नृत्य से सुसज्जित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। यहां सालभर में हुई शैक्षिक, क्रीड़ा और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शृंखला में नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र, भोपाल परिसर द्वारा विद्यार्थियों ने पूर्व रंग का मंचन किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने संस्कृत नाटक 'तण्डुलप्रस्थीयम्' की प्रस्तुति दी। नाटक को प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने लिखा है, जिसमें अन्न और जल के महत्व को दर्शाया है। नाटक यह संदेश देता है कि न सिर्फ अकाल और सूखे के समय बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी जीवन में अन्न और जल ही महत्ता सझमें। इसके अलावा यहां छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में शासत्रीय नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। इसमें उनके भाव और कला पक्ष की जुगलबंदी देखने लायक थी।

संस्कृत नाटक के किरदारों को निभाया स्टूडेंट्स ने

सिटी रिपोर्टर | राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में चल रहे संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत श्लोक और संस्कृत गीत प्रतियोगिता हुई। इसके बाद एकल अभिनय में शिवांगी सक्सेना ने मालतीमाधवन नाटक से चंडालिका का किरदार प्रस्तुत किया। एक अन्य छात्र ने संस्कृत शिक्षक का रोल निभाया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में डॉ. सुबोध शर्मा, डॉ.संगीता गुंदेचा, डॉ.सनंद त्रिपाठी, डॉ.श्याम देव और डॉ.बाश शामिल रहे।